उनको प्रणाम ! (कवि : बाबा नागार्जुन)

शब्दार्थ

• शब्द	• अर्थ
• कुंठित	• थोथरा, जिसमे धार न हो
• लक्ष्य भ्रष्ट	• निशाने से चूका हुआ
• अभिमंत्रित	• मंत्र द्वारा पवित्र किया हुआ
• तुणीर	• तरकस(जिसमे तीर रखे जाते है)
• नैया	• नाव
• उदधि	• समुद्र
• निराकार	• जिसका कोई आकार न हो
• समाधि	• किसी दिवंगत महापुरुष की स्मृति में निर्मित स्मारक
• निरवधि	• जिसकी कोई निश्चित समय सीमा न हो
• अतुलनीय	• जिसकी तुलना न की जा सके
• प्रतिकूल	• विपरीत
• मनोरथ	• मन की कामना या अभिलाषा